UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. Music(Tabla) 2nd Year Assignment
एम0ए0 संगीत(तबला) द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission : 15thMay 2013 जमा करने की अन्तिम तिथि : 15 मई 2013

Course Title : Sangeet Shastra **Course Code: M.A.M.T. - 201**

कोर्स शीर्षक : संगीत शास्त्र कोर्स कोड : एम0ए0एम0टी0–201

Year: 2012-13 **Maximum Marks: 40**

सत्र : 2012–13 अधिकतम अंक : 40

❖ खण्ड़ क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – क

1. तबले की उत्पत्ति, विकास एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
2. तबले के घरानों का संक्षिप्त वर्णन प्रस्तुत कीजिए।
3. मार्गी तालों के विषय में विस्तारपूर्वक समझाइये।
4. देशी तालों को समझाते हुए इनका मार्गी तालों से तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत कीजिए।
5. उत्तर भारतीय तालों के वर्तमान स्वरूप पर चर्चा कीजिए।
6. ताल के प्राण काल, मार्ग, क्रिया, अंग व ग्रह को समझाइये।
7. ताल के प्राण जाति, कला, लय, यति व प्रस्तार को समझाइये।
8. पखावज वाद्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

❖ खण्ड़ ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं।

खण्ड़ – ख

1. शारंगदेव कृत संगीत रत्नाकर में वर्णित संगीत पर प्रकाश डालिए।
2. रामायण व महाभारत काल में संगीत की स्थिति का वर्णन कीजिए।
3. दक्षिण भारतीय संगीत का परिचय देते हुए उसके स्वर, थाट, रचनाओं व वाद्यों की सविस्तार व्याख्या कीजिए।
4. उत्तराखण्ड के लोक संगीत के विषय में विस्तार से लिखिए।